अनुलग्नक-2
जोखिम प्रकटीकरण दस्तावेज (Risk Disclosure Document)

एक्सचेन्ज न तो स्पष्ट रूप से और न ही अंतर्निहित रूप में, इस प्रकटीकरण दस्तावेज की पूर्णता, पर्याप्तता या सटीकता की गारंटी देता है और न ही एक्सचेन्ज कमोडिटी डेरिवेटिव्स(commodity derivatives) बाज़ार/ट्रेडिंग सेगमेंटों में भाग लेने के किसी भी गुण का अनुमोदन करते हैं या पारित करते हैं। यह संक्षिप्त विवरण ट्रेडिंग के सभी जोखिमों एवं अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं का प्रकटीकरण नहीं करता है। इसलिए आपको डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग में शामिल होने से पहले इसका भलीभांति अध्ययन कर लेना चाहिए।

निहित जोखिमों को ध्यान में रखते हुए, आपको केवल तभी लेनदेन करना चाहिए जब आप उस संविदात्मक संबध की प्रकृति और अपने जोखिम की हद को समझते हों जिसमें आप प्रवेश कर रहे हों।

आपको जानना चाहिए और पहचानना चाहिए कि कमोडिटी (commodity) फ्यूचर कांट्रैक्ट्स/डेरिवेटिव्स या कमोडिटी एक्सचेंज (जों) (Commodity Exchange(s)) पर ट्रेड किए जाने वाले अन्य विलेखों (इंस्ट्रूमेंट्स) में ट्रेडिंग, जिनमें विभिन्न मात्राओं में जोखिम शामिल होते हैं, आम तौर पर सीमित संसाधनों/सीमित निवेश और/या ट्रेडिंग अनुभव और कम जोखिम सहनशीलता वाले किसी व्यक्ति के लिए उपयुक्त स्थल नहीं है। इसलिए आपको अपनी वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए ध्यानपूर्वक विचार करना चाहिए कि ऐसी ट्रेडिंग आपके लिए उपयुक्त हैं या नहीं। यदि आप एक्सचेन्ज में ट्रेड करते हैं और प्रतिकूल परिणाम या नुकसान उठाते हैं, तो आप उस के लिए पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे और एक्सचेन्ज, किसी भी तरीके से इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा और आपके पास यह दलील देने का विकल्प नहीं होगा कि आपको शामिल जोखिम के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं दी गई थी या यह कि आपको संबंधित सदस्य (Members / Stock Brokers) द्वारा निहित पूर्ण जोखिम के बारे में नहीं बताया गया था। ग्राहक (client / investor) परिणामों के लिए पूर्णतया जिम्मेदार होंगे और उस आधार पर किसी भी कांट्रैक्ट को रद्द नहीं किया जा सकता है।

आपको अभिज्ञापित और स्वीकृति देनी चाहिए कि एक्सचेंज पर ट्रेड किए जाने वाले किसी कमोडिटी डेरिवेटिव की खरीद और/या बिक्री के आदेश निष्पादित करते समय लाभों की कोई गारंटी नहीं हो सकती है और/या हानियों का कोई अपवाद नहीं हो सकता है।

आपको यह स्पष्ट रूप से समझना चाहिए कि एक सदस्य के माध्यम से एक्सचेंज पर आपकी डीलिंग (लेनदेन), सदस्य द्वारा निर्धारित कुछ औपचारिकताओं को पूर्ण करने के विषयाधीन होगी जिसमें अन्य चीजों के साथ साथ अपने ग्राहक को जानें फार्म को भरना, *क्या करें और क्या न करें*, आदि शामिल हो सकते हैं, और संबंधित एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों एवं कारोबारी नियमों, और SEBI द्वारा निर्धारित समय समय पर जारी दिशानिर्देशों एवं एक्सचेंज द्वारा समय समय पर जारी किए जा सकने वाले परिपत्रों के विषयाधीन हैं।

एक्सचेंज कोई भी सलाह प्रदान नहीं करता है या सलाह देने की इच्छा नहीं रखता है और किसी भी ऐसे व्यक्ति के लिए जवाबदेह नहीं होगा जो एक्सचेंज के सदस्य और/या इस दस्तावेज में शामिल किसी भी जानकारी के आधार पर किसी भी तृतीय पक्ष के साथ किसी भी व्यावसायिक संबंध स्थापित करता है। इस दस्तावेज में शामिल किसी भी जानकारी को व्यावसायिक सलाह/निवेश सलाह के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। इस तरह की ट्रेडिंग में शामिल जोखिमों को बिना पूर्ण-रूपेण समझे और बिना समीक्षा किए, ट्रेड करने के लिए कोई भी विचार नहीं बनाया जाना चाहिए। यदि आप निश्चित नहीं हैं, तो आपको उस बारे में पेशेवर सलाह लेनी चाहिए।

यह विचार करने के लिए कि ट्रेड किया जाए या नहीं, आपको निम्नलिखित के बारे में जानकारी होनी चाहिए या इनसे परिचित होना चाहिएः-

1. **एक्सचेंज पर कमोडिटी फ्यूचर कांट्रैक्ट्स और अन्य कमोडिटी डेरिवेटिव्स इंस्ट्रूमेन्ट्स की ट्रेडिंग से जुड़े मूलभूत जोखिम।**

   i. **उच्च अस्थिरता का जोखिम**

   अस्थिरता का तात्पर्य उस कीमत में गतिशील परिवर्तन से है जिस पर एक कमोडिटी/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट किया जाता है जब ट्रेडिंग गतिविधियां कमोडिटी एक्सचेंज में जारी रहती है। सामान्यतः एक कमोडिटी/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट की अस्थिरता जितनी उच्च होती है उसके मूल्य में परिवर्तन भी उतना ही अधिक होता है। सक्रिय कमोडिटी/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स की तुलना में कम ट्रेड की जाने वाली कमोडिटी डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स में सामान्यतः अधिक अस्थिरता हो सकती है। अस्थिरता के परिणाम के रूप में, आपके आदेश केवल आंशिक रूप से निष्पादित किए जा सकते हैं या बिल्कुल भी निष्पादित नहीं किए जा सकते हैं, या वह कीमत जिस पर आपके आदेश निष्पादित किए जाते हैं, अंतिम ट्रेडेड कीमत से थोड़ी भिन्न हो सकती है या लगातार बदल सकती है जिसके परिणामस्वरूप वास्तविक नुकसान हो सकता है।

   ii. **निम्नतर तरलता (लोअर लिक्विडिटी) का जोखिम**

   a. तरलता एक प्रतिस्पर्धी कीमत पर और न्यूनतम कीमत अंतर के साथ तेजी से कमोडिटी डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स की खरीद और/या बिक्री के लिए बाजार सहभागियों की क्षमता को दर्शाती है। सामान्यतः यह माना जाता है कि एक बाजार में उपलब्ध आदेशों की संख्या जितनी अधिक होती है, तरलता उतनी ही अधिक होती है। तरलता महत्वपूर्ण है क्योंकि अधिक तरलता के साथ, निवेशकों के लिए तेजी से और न्यूनतम कीमत अंतर के साथ कमोडिटी डेरिवेटिव कंट्रैक्ट्स को खरीदना और/या बेचना आसान हो जाता है, और परिणामस्वरूप, निवेशकों द्वारा खरीदी या बेची गई कमोडिटी/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स के लिए एक प्रतिस्पर्धी कीमत का भुगतान किए जाने या प्राप्त होने की संभावना होती है। सक्रिय कमोडिटी/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स की तुलना में कुछ कमोडिटी डेरिवेटिव में कम तरलता का खतरा हो सकता है। परिणामस्वरूप, आपका आदेश केवल आंशिक रूप से निष्पादित किया जा सकता है, या अपेक्षाकृत अधिक कीमत अंतर के साथ निष्पादित किया जा सकता है या बिल्कुल भी निष्पादित नहीं किया जा सकता है।
   b. कुछ निश्चित कमोडिटीज की डिलीवरी देने और/या लेने के इरादे के बिना उनकी खरीद या बिक्री के परिणामस्वरूप भी नुकसान हो सकता है, ऐसी स्थिति में, कमोडिटी/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स को अपेक्षित कीमत स्तरों की तुलना में, कम/उच्च कीमतों पर निपटान किया जा सकता है, इसलिए ऐसी कमोडिटी डिलीवर करने या प्राप्त करने के लिए कोई भी दायित्व न रखें।

   iii. **व्यापक स्प्रेड का जोखिम**

   a. स्प्रेड सर्वोत्तम खरीदी कीमत और सर्वोत्तम बिक्री कीमत के बीच के अंतर को दर्शाता है। यह एक कमोडिटी/डेरिवेटिव खरीदने और इसके तुरंत बाद बेचने या विपरीत रूप से कीमतों के बीच अंतर को प्रदर्शित करता है। निम्नतर तरलता एवं उच्च अस्थिरता के परिणामस्वरूप कम तरल

या गैर-तरल कमोडिटी/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स के लिए सामान्य से अधिक स्प्रेड हो सकता है। यह बदले में बेहतर कीमत की स्थापना में बाधा उत्पन्न करेगा।

iv. **जोखिम को कम करने वाले आदेश**

a. अधिकांश एक्सचेंजों पर निवेशकों के लिए "लिमिट आर्डर्स" "स्टॉप लॉस आर्डर्स" आदि की सुविधा रहती है। ऐसे आदेश (जैसे - "स्टॉप लॉस" आदेश, या "लिमिट" आदेश) को रखना जो हानियों को कुछ राशि तक सीमित करने का इरादा रखते हैं, कई बार प्रभावी नहीं हो सकते हैं क्योंकि बाजार की स्थितियों में तेज उतार-चढ़ाव के कारण ऐसे आदेशों को निष्पादित करना संभव नहीं हो सकता है।
b. एक "बाजार" आदेश की कीमत पर ध्यान दिए बिना विपरीत ओर से आदेशों की उपलब्धता के विषयाधीन तुरंत निष्पादित किया जाएगा और यह कि, जबकि ग्राहक को एक "बाजार" आदेश का त्वरित निष्पादन प्राप्त हो सकता है, निष्पादन बकाया आदेशों की उपलब्ध कीमतों पर हो सकता है जो कीमत समय प्राथमिकता पर आदेश मात्रा को संतुष्ट करते हों। यह समझा जा सकता है कि ये कीमतें उस कमोडिटी डेरिवेटिव कंट्रैक्ट में अंतिम ट्रेड किए गए मूल्य या सर्वोत्तम कीमत से काफी भिन्न हो सकती हैं।
c. एक "लिमिट" आदेश को केवल आदेश के लिए निर्दिष्ट "लिमिट" कीमत या एक बेहतर कीमत पर निष्पादित किया जाएगा। हालांकि, ग्राहक को मूल्य संरक्षण प्राप्त होता है तथापि यह संभावना है कि आदेश को बिल्कुल भी निष्पादित नहीं किया जा सकता है।
d. एक स्टॉप लॉस आदेश को सामान्यतः एक कमोडिटी/डेरिवेटिव कंट्रैक्ट की वर्तमान कीमत से "अलग" स्थापित किया जाता है, और ऐसे आदेश केवल तभी सक्रिय होते हैं जब कंट्रैक्ट स्टॉप कीमत पर पहुंचता है या उसके माध्यम से ट्रेड करता है। बिक्री स्टॉप आदेश साधारणतया वर्तमान कीमत से नीचे प्रविष्ट किए जाते हैं, और खरीद स्टॉप आदेश साधारणतया वर्तमान कीमत से ऊपर प्रविष्ट किए जाते हैं। जब कंट्रैक्ट पूर्व निर्धारित कीमत तक पहुंच जाता है, या इस तरह के मूल्य से होकर ट्रेड करता है तो स्टॉप लॉस आदेश एक बाजार/लिमिट आदेश में बदल जाता है और लिमिट पर या बेहतर स्थिति में निष्पादित किया जाता है। इस बात का कोई आश्वासन नहीं है कि लिमिट आदेश निष्पादन योग्य हो जाएगा, चूंकि एक कंट्रैक्ट पूर्व निर्धारित कीमत पर कार्य कर सकती है, ऐसी स्थिति में ऐसे आदेश के निष्पादित न होने का जोखिम सिर्फ एक नियमित लिमिट आदेश के रूप में उत्पन्न होता है।

v. **समाचार उद्घोषणाओं का जोखिम**

a. व्यापारियों/निर्माताओं द्वारा समाचार घोषणाएं की जाती हैं जो कमोडिटी और या कमोडिटी/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स के मूल्य को प्रभावित कर सकती हैं। ये घोषणाएं ट्रेडिंग के दौरान की जा सकती हैं और कम तरलता एवं उच्च अस्थिरता के साथ संयोजित किए जाने पर, अचानक कमोडिटी/कमोडिटी डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स की कीमत में एक अप्रत्याशित धनात्मक या ऋणात्मक हलचल का कारण बन सकते हैं।

vi. **अफवाहों का जोखिम**

a. कई बार कमोडिटी की कीमत के बारे में शब्दों, समाचार पत्रों, वेबसाइटों या समाचार एजेंसियों आदि के माध्यम से बाजार में अफवाहें फैलने लगती हैं, निवेशकों को इससे सावधान रहना चाहिए और अफवाहों के आधार पर कार्य करने से बचना चाहिए।

vii. **प्रणालीगत जोखिम**

a. उच्च मात्रा ट्रेडिंग अक्सर बाजार खुलते समय और बाजार बंद होने से पहले घटित होगी। इस तरह की उच्च मात्रा दिन में किसी भी समय पर हो सकती है। इसके फलस्वरूप आदेश के निष्पादन या पुष्टिकरण करने में देरी हो सकती है।
b. अस्थिरता की अवधि के दौरान, लगातार अपने आदेश की मात्रा या कीमतों को संशोधित करने या नया आदेश स्थापित करने वाले बाजार भागीदारों की वजह से, आदेश निष्पादन एवं इसके पुष्टिकरण में देरी हो सकती है।
c. कुछ निश्चित बाजार परिस्थितियों में, एक उचित कीमत पर या समग्रतः बाजार में एक स्थिति को समाप्त करना तब मुश्किल या असंभव हो सकता है जब खरीद पक्ष या बिक्री पक्ष का कोई भी आदेश बकाया न हो, या यदि असामान्य ट्रेडिंग गतिविधि या कीमत के सर्किट फिल्टर को पार करने पर या किसी अन्य कारण की वजह से एक कमोडिटी में ट्रेडिंग को रोक दिया गया हो।

viii. **प्रणाली/नेटवर्क कंजेशन**

a. आदेशों को स्थापित करने और अनुमार्गित करने के लिए सेटेलाइट/लीज्ड लाइन आधारित संचार, तकनीकों और कंप्यूटर प्रणालियों के संयोजन पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक मोड में एक्सचेंज पर ट्रेडिंग होती है। इस प्रकार, वहां संचार विफलता या प्रणालीगत समस्याएं या प्रणाली से धीमी या देरी से प्रतिक्रिया या ट्रेडिंग को रोकने या ऐसी कोई अन्य समस्या/गड़बड़ मौजदू हो सकती है, जहां ट्रेडिंग प्रणाली/नेटवर्क के लिए पहुंच स्थापित करना संभव नहीं था, जो नियंत्रण से बाहर हो सकता है और जिसके परिणामस्वरूप आंशिक या पूर्ण रूप से खरीद या बिक्री आदेशों को संसाधित करने या न करने में देरी हो सकती है। आपको यह ध्यान देने के लिए आगाह किया जाता है कि यद्यपि ये समस्याएं स्वभावतः अस्थायी हो सकती है लकिन जब आपके पास खुली स्थिति या गैर-निष्पादित आदेश शेष हों तो ये सभी निष्पादित लेनदेनों का निपटान करने के लिए आपके दायित्वों के कारण जोखिम का वहन करते हैं।

2. **जहां तक फ्यूचर कमोडिटी डेरिवेटिव का संबंध है, कृपया निम्नलिखित अतिरिक्त सुविधाओं पर ध्यान दें और इनसे स्वयं को परिचित कराएं:-**

"लीवरेज" या "गियरिंग" का प्रभावः

a. मार्जिन की राशि कमोडिटी डेरिवेटिव कांट्रैक्ट की राशि का एक छोटा अनुपात होता है, अतः लेनदेन 'लीवरेज्ड' या 'गियर्ड' हो जाते हैं। कमोडिटी डेरिवेटिव ट्रेडिंग जिसे मार्जिन की एक अपेक्षाकृत छोटी राशि के साथ किया जाता है, प्रमुख निवेश राशि की तुलना में अधिक लाभ या हानि की संभावना प्रदान करती है। लेकिन कमोडिटी डेरिवेटिव में लेनदेन में उच्च स्तर का जोखिम शामिल होता है। इसलिए आपको वास्तव में कमोडिटी डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स में ट्रेडिंग करने से पहले निम्न विवरणों को पूर्णतया समझना चाहिए और साथ ही व्यक्ति की परिस्थितियों, वित्तीय संसाधनों आदि को ध्यान में रखकर सावधानी के साथ ट्रेड करना चाहिए।
b. फ्यूचर कमोडिटी डेरिवेटिव्स में ट्रेडिंग में सभी स्थितियों का दैनिक निपटान शामिल होता है। हर दिन खुली स्थितियों को समापन मूल्य के आधार पर बाजार के लिए चिन्हित किया जाता है। यदि समापन मूल्य आपके खिलाफ जाता है तो आपके लिए इस तरह के उतार चढ़ावों के फलस्वरूप होने वाले नुकसान की (अनुमानित) राशि जमा करना आवश्यक होगा। इस मार्जिन का भुगतान निर्धारित समय सीमा के भीतर करना होगा, सामान्यतः अगले दिन ट्रेडिंग प्रारंभ होने से ठीक पहले।
c. यदि आप समय सीमा के अंदर अतिरिक्त मार्जिन जमा करने में विफल होते हैं या यदि आपके खाते में बकाया ऋण होता है तो एक्सचेंज का सदस्य पूरी स्थिति या उसके एक हिस्से को समाप्त कर सकते हैं। इस मामले में, आप इस तरह के निपटान/समाप्ति के फलस्वरूप होने वाले किसी भी नुकसान के लिए उत्तरदायी होंगे।
d. निश्चित बाजार परिस्थितियों के अंतर्गत, निवेशक के लिए ऐसे लेनदेन निष्पादित करना मुश्किल या असंभव हो सकता है। उदाहरण के लिए, यह स्थिति गैर-तरलता जैसे कारकों के कारण हो सकती है यानी जब वहां अपर्याप्त बोलियां या प्रस्ताव होते हैं या कीमत सीमा या सर्किट ब्रेकर आदि के कारण ट्रेडिंग का स्थगन किया गया हो सकता है।
e. बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए मार्जिन दर में परिवर्तन, नकदी मार्जिन दर में वृद्धि आदि कदम उठाए जा सकते हैं। ये नए मानदंड मौजूदा अस्थिर ब्याज-राशि पर लागू किए जा सकते हैं। ऐसी स्थितियों में, आपको अतिरिक्त मार्जिन डालने या अपनी स्थितियों को कम करने की आवश्यकता होगी।
f. आपको अपने एक्सचेंज के सदस्य से उन कमोडिटी डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स की पूरी जानकारी यानी अनुबंध विनिर्देशों एवं उससे जुड़े दायित्वों के बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध कराने की मांग करनी चाहिए जिन पर आपने ट्रेड करने की योजना बनाई है।

3. **वायरलेस तकनीक/या किसी अन्य तकनीक के माध्यम से ट्रेडिंगः**

वायरलेस तकनीक या किसी भी अन्य तकनीक के माध्यम से कमोडिटी की ट्रेडिंग से जुड़ी सुविधाओं, जोखिमों, जिम्मेदारियों, दायित्वों और देनदारियों को परिभाषित करने के लिए किसी भी अतिरिक्त प्रावधान को सदस्य द्वारा ग्राहक के ध्यान में लाया जाना चाहिए।

4. **सामान्य**

i. **जमा नकदी और संपत्ति:**
विशेषकर किसी फर्म के ऋणशोधनअक्षम या दिवालिया हो जाने की स्थिति में आपको खुद को उस धनराशि या अन्य संपत्तियों से संबंधित सुरक्षाओं से परिचित करना चाहिए जो आपने जमा की हों। आप जिस सीमा तक अपनी धनराशि या संपत्ति की वसूली कर सकते हैं उस पर विशिष्ट विधायन या स्थानीय कानून लागू होंगे। कुछ न्यायक्षेत्रों में संपत्ति, जिसे विशेष रूप से आपकी अपनी के रूप में पहचाना जा सकता हो, किसी गिरावट की स्थिति में वितरण के प्रयोजन से नकदी के समान यथानुपाती दर से तय की जाएगी। एक्सचेंज के सदस्य से किसी विवाद की स्थिति में वह एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों और कारोबारी नियमों के अनुसार विवाचन के विषयाधीन होंगे।

ii. **कमीशन और अन्य प्रभार:**
आप द्वारा ट्रेड शुरू करने से पहले, आपको सभी कमीशनों, शुल्कों और अन्य प्रभारों के बारे में स्पष्ट विवरण प्राप्त करना चाहिए जो आपको चुकता करने होंगे। ये प्रभार आपके निवल लाभ (यदि कोई हो) को प्रभावित कर सकते हैं या आपकी हानि को बढ़ा सकते हैं।

iii. सदस्यों/अधिकृत व्यक्तियों/क्लाइंट्स के अधिकारों और दायित्वों के लिए, कृपया *परिशिष्ट 3* देखें।

iv. शब्द 'घटक' का तात्पर्य है और इसमें शामिल हैः एक क्लाइंट, एक ग्राहक या एक निवेशक जो एक्सचेंज द्वारा प्रदान किए गए मैकेनिज्म के माध्यम से कमोडिटी/डेरिवेटिव कांट्रैक्ट में डील करने के लिए एक सदस्य के साथ सौदा करते हैं।

v. शब्द 'सदस्य' का तात्पर्य है और इसमें शामिल हैः एक ट्रेडिंग सदस्य, या सदस्य/ब्रोकर जिसे एक्सचेंजों द्वारा यथावत स्वीकार किया गया है और जिन्होंने SEBI से एक रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र प्राप्त किया है।